मानविकी विद्याशाखा
UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)

संस्कृत
एम0ए0 द्वितीय वर्ष सत्रीय कार्य

जमा करने की अन्तिम तिथि.... 30 अप्रैल 2017 कोर्स कोड –एम0ए0एसएल -203

प्रोग्रामकोड --- एम.ए.एस.एल -12 अधिकतम अंक -40

कोर्स शीर्षक – सिद्धान्तकौमुदी ,कारक एवं समास प्रकरण

ग्रीष्मकालीन सत्र 2016-17

यह सत्रीय कार्य दो खण्डों में विभक्त है। खण्ड 'क' में आठ प्रश्न दिये गये हैं , उनमें से किन्ही चार के उत्तर अधिकतम 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। खण्ड ' ख' मे 4 प्रश्न दिये गये हैं जिनमें से किन्ही 2 प्रश्नो के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

खण्ड 'क

1. 'तथायुक्तं चानीप्सितम्' सूत्र को सोदाहरण समझाइए।
2. प्रथमा विभक्ति का विधान करने वाला मुख्य सूत्र क्या है।
3. 'येनांगविकार:' सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।
4. रक्षणार्थक धातुओं के योग में कौन सी विभक्ति होती है समझाइए।
5. संस्कृत में लकार एवं गण कितने हैं नामोल्लेख कीजिए।
6. 'वर्तमाने लट्' सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।
7. तत्पुरूष समास का अर्थ एवं उसके भेद बताइए।
8. कर्म कारक का अर्थ समझाइए।

खण्ड 'ख'

1. तृतीया विभक्ति से सम्बन्धित किन्हीं तीन सूत्रों का उल्लेख कीजिए।
2. 'भू' धातु प्रथम पुरूष के सभी वचनों में रूप सिद्ध कीजिए।
3. समास को परिभाषित कर अव्ययीभाव समास का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।
4. चतुर्थी विभक्ति से सम्बन्धित किन्हीं दो सूत्रों का सोदाहरण उल्लेख कीजिए।